

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

61^{वें} दीक्षांत समारोह का उद्घाटन एवं मेरिट मेडल तथा सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार चुनाव हेतु स्नातकोत्तर छात्रों के शोध की प्रस्तुतियाँ

दिनांक : 20.02.2023

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 61^{वाँ} दीक्षांत समारोह (फरवरी 20-24, 2023) आज शुरू हुआ। प्रथम दिन यथा 20 फरवरी, 2023 को मेरिट मेडल एवं वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार चुनाव हेतु स्नातकोत्तर छात्रों (एमएससी / एम. टेक और पीएच.डी.) के शोध की प्रस्तुतियों के साथ बी.पी. सभागार में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. एल. मेहता, पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा की गयी एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रोबिन गोगोई (अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान संभाग) रहे। डॉ. अनुपमा सिंह (अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली) ने स्वागत उल्बोधन प्रस्तुत किया तथा निर्णायक मण्डल के सम्मानित सदस्यों का परिचय करवाया। डॉ. ए.के. सिंह, पूर्व कुलपति, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; डॉ. पी.एस. बिरथल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; डॉ. बी.एस. परमार, पूर्व संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ; डॉ. के. वी. भट पूर्व- भा.कृ.अनु.प. एमेरिटस वैज्ञानिक, नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज, नई दिल्ली और डॉ. सुधाकर पांडे, सहायक महानिदेशक (फूल/सब्जियां/मसाले/औषधीय पौधे), निर्णायक मण्डल के सदस्य थे। डॉ. अनुपमा सिंह, अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) ने कार्यक्रम के अध्यक्ष, निर्णायक मण्डल के सभी सदस्यों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने सदन को अवगत किया कि मेरिट मेडल के लिए कुल 42 प्रस्तुतियाँ हैं जिनमें 22 एम.एससी. और 20 पीएचडी (डॉक्टरेट) की प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

61^{वें} दीक्षांत समारोह के उद्घाटन के दिन 22 एमएससी एवं 20 पीएच.डी. छात्रों द्वारा महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियाँ प्रस्तुत की गईं। एमएससी छात्रों के मुख्य कार्यों में ल्यूटिन का बायो-पॉलिमरिक सूत्रीकरण; मक्का मूल्य श्रृंखला का आर्थिक मूल्यांकन; फसल रोग के लिए सेंसर-आधारित उपकरण का विकास; आजीविका बढ़ाने में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की भूमिका; जुताई, अवशेष, सिंचाई और नाइट्रोजन का मृदा के भौतिक गुणों पर प्रभाव; भौगोलिक रूप से भारित प्रतिगमन आधारित मॉडल; संरक्षण कृषि आधारित अरहर-गेहूं प्रणाली; कैंडीडेड जीन की पहचान और लक्षण वर्णन; कुपोषण मार्कर मूल्यांकन के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली का विकास; ओलेथ्यूटिनाई पर बायोसिस्टमेटिक अध्ययन; CO₂ का पारस्परिक प्रभाव; अफ्रीकी गेंदा में कृत्रिम परिवेशीय (इन-विट्रो) गाइनोजेनेसिस अध्ययन; आम संकरों का लक्षण वर्णन; चावल में आनुवंशिक लक्षण वर्णन और आणविक मानचित्रण; जलाभाव तनाव में बाजरा विकास अध्ययन; चने में फ्यूजेरियम विल्ट; फल प्रजातियों के क्रायोप्रिजर्वेशन प्रोटोकॉल का विकास; फ्यूसेरिक एसिड में मात्रात्मक भिन्नता; गेहूं में सुक्रोज, आरओएस (रियाक्टिव ओक्सिजन स्पीसीज़) एवं ऑक्सिन की

पारस्परिक भूमिका; मसूर पर प्राइमिंग तकनीकों का प्रभाव; चावल आधारित फसल प्रणाली के तहत मिट्टी के प्रतिरोध का आकलन; ककड़ी में पार्थेनोकार्पी में वृद्धि हार्मोन का अध्ययन शामिल है।

पीएचडी छात्रों के मुख्य कार्यों में कार्यात्मक कार्बोहाइड्रेट का अध्ययन, लक्षण वर्णन और मूल्य निर्धारण; कृषि में उर्वरक उपयोग के प्रभाव का अनुमान; प्याज के लिए थोक भंडारण प्रणाली में ओजोन की गतिशीलता; कृषि विकास कार्यक्रमों का प्रभाव; कृषि अनुसंधान के लिए बहु-संतुलित प्रायोगिक डिजाइन; खरपतवार बीज बैंक की गतिशीलता और उत्पादकता; चावल-गेहूं प्रणाली में मशीन लर्निंग साक्ष्य-आधारित कृषि पद्धतियां; बांस में लीफहाप्पर प्रजातियों पर बायोसिस्टमेटिक अध्ययन; मक्का-गेहूं-मूंग फसल प्रणाली के लिए संरक्षण कृषि में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं; प्रकाश-असंवेदनशीलता के लिए गुलदाउदी का मूल्यांकन; किन्नू में फसलोत्तर रोग प्रबंधन एवं निधानी आयु अध्ययन; आम में परिवर्तनशीलता वृद्धि; सोयाबीन में बीज लक्षणों की वंशानुक्रम और आणविक मानचित्रण; मक्का में लौह और जस्ता मोबिलाइजेशन के लिए साइनोबैक्टीरियल बायोफिल्म की क्षमता; चावल में मैग्नापोर्थे ओरेजे का क्लोनिंग और लक्षण वर्णन; हेटेरोहैब्डाइटिस नेमाटोड कारकों की एक आणविक जांच; आलू में सूखे सड़न की पहचान और प्रबंधन; आलू के कंदों में ग्लाइसेमिक इंडेक्स का विश्लेषण; प्याज में साइटोप्लाज्म प्रकारों की आणविक पहचान और सेंसर आधारित स्वचालित बेसिन सिंचाई प्रणाली में सिंचाई दक्षता अध्ययन शामिल है।

अध्यक्ष डॉ. एस.एल. मेहता ने स्नातकोत्तर अनुसंधान की गुणवत्ता की सराहना की और छात्रों को कृषि विज्ञान की उन्नति के लिए गुणवत्तापूर्ण जानकारी हेतु गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

Press Release

Inauguration of 61st Convocation of ICAR-IARI, New Delhi

20.02.2023

The 61st Convocation week (February 20-24, 2023) of ICAR–Indian Agricultural Research Institute, New Delhi started with academic fervour on 20th February, 2023 with the presentations of significant post-graduate students' research by M. Sc. / M. Tech & Ph.D. students for merit medals and Best student of the year award in B.P. Pal Auditorium under the chairmanship of Dr. S.L. Mehta, Former Vice Chancellor MPUAT Udaipur and convener Dr. Robin Gogoi, Head and Professor, Division of Plant Pathology, IARI, New Delhi. Dr. Anupama Singh, Dean & Joint Director (Education), ICAR-IARI delivered the welcome address and introduced the esteemed jury members viz. Dr. A.K. Singh, Former Vice Chancellor, RVSKVV Gwalior (MP); Dr. P.S. BIRTHAL, Director, ICAR-National Institute of Agricultural Economics and Policy Research, New Delhi; Dr. B.S. Parmar, former Joint Director (Research), ICAR-IARI, New Delhi; Dr. K. V. Bhat. Ex-ICAR Emeritus Scientist, NBPGR, New Delhi and Dr. Sudhakar Pandey, ADG (Flower/Vegetables/Spices/Medicinal Plants), ICAR. Dr. Anupama Singh, Dean & Joint Director (Education) in her opening remarks welcomed the chairperson, jury members, faculty, and students of the institute. She also

informed the house that there is total 42 presentations for merit medal including 22 M.Sc. and 20 Ph. D presentations.

On the inaugural day, the significant research achievements were presented by 22 M.Sc. and 20 Ph.D. students. The salient works of MSc students included Biopolymeric formulation of lutein, Economic assessment of maize value chain, Development of sensor-based device for crop disease, Role of direct benefit transfer (DBT) in enhancing livelihood, Effect of tillage, residue, irrigation and nitrogen management on soil physical properties, Geographically weighted regression based model, conservation agriculture-based pigeon pea-wheat system, Identification and characterization of candidate gene(s), Development of decision support system for malnutrition marker assessment, Biosystematic studies on subfamily Olethreutinae, Interactive effect of elevated CO₂, In vitro gynogenesis studies in African marigold, Characterization of promising mango hybrids, Genetic characterization and molecular mapping in rice, growth promotion of pearl millet under drought stress, Fusarium wilt in chickpea, Development of cryopreservation protocol of underutilized fruit species, Quantitative variation in fusaric acid, Interactive role of sucrose, ROS and auxin in wheat, Effect of priming techniques on lentil, Assessment of resistance of soils under rice-based cropping system, Understanding growth hormones in parthenocarpy in cucumber.

The salient works of Ph.D. students included Isolation, characterization and valorisation of functional carbohydrates, Estimating the effects of fertilizer use in agriculture, Dynamics of ozone in bulk storage system for onion, Impact of selected agricultural development programmes, Multi-Balanced experimental designs for agricultural research, Weed seed bank dynamics and productivity, Machine learning evidence-based agronomic practices in rice-wheat system, Biosystematic studies on leafhopper species in bamboo, ecosystem services in conservation agriculture for maize-wheat mungbean cropping system, Evaluation of Chrysanthemum for photo-insensitivity, Postharvest disease management and shelf life of Kinnow mandarin, Variability enhancement in mango, Inheritance and molecular mapping of seed traits in soybean, Potential of cyanobacterial biofilms for Fe and Zn mobilization in maize, Cloning and characterization of Magnaporthe oryzae in rice, A molecular investigation of Heterorhabditis nematode factors, Identification and management of potato dry rot, Analysis of glycemic index in potato tubers, Molecular identification of cytoplasm types in short day Indian Onion and Sensor based automatic basin irrigation system for enhancing irrigation efficiency.

The Chairman Dr. S.L. Mehta complimented the quality of postgraduate research and exhorted the students to pursue in-depth analytical studies to generate quality information for the advancement of agricultural science.